International Journal of Research - GRANTHAALAYAH
February 2026 14(2)
www.granthaalayah.com

Original Article

A COMPARATIVE STUDY OF THE IMPACT OF SOCIAL MEDIA ON AGGRESSION AND ACADEMIC ACHIEVEMENT OF DISABLED AND NORMAL ADOLESCENT STUDENTS

दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की आक्रामकता एवं शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

Dr. Manju Sharma [1*], **Lokesh Kumar Sharma** [2]
[1] Research Guides Assistant Professor, Shri Agrasen Post Graduate Education College, Sintini Keshav Vidyapeeth, Jam Doli, Jaipur, India
[2] Research Scholar, University of Rajasthan, Jaipur, India

ABSTRACT

English: The current study aims to comparatively analyze the impact of social media on aggression and academic achievement among adolescents with disabilities and those with normal abilities. In modern times, social media has become an important part of adolescents' lives, necessitating the study of its impact on their behavior and academic performance. This study used a survey method. A total of 480 adolescents, including 240 normal and 240 disabled students, were randomly selected from the Bharatpur, Dholpur, Karauli, and Sawai Madhopur districts of the Bharatpur division of Rajasthan state. Data collection included the Aggression Scale (R.L. Bhardwaj), the Social Media Scale (Dr. Subhash Sarkar and Prasenjit Das), and annual examination scores for academic achievement. The results of the study revealed that social media had no significant impact on aggression and academic achievement among adolescents with disabilities. However, among normal students, a significant positive relationship was found between social media and aggression, and a significant negative relationship was found between social media and academic achievement. Therefore, it can be concluded that the impact of social media manifests differently on normal and disabled students. This study may prove useful for educators, parents, and policymakers to encourage balanced and positive use of social media.

Hindi: वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की आक्रामकता तथा शैक्षिक उपलब्धियों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का तुलनात्मक विश्लेषण करना है। आधुनिक समय में सोशल मीडिया किशोरों के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका हैए जिसके कारण उनके व्यवहार एवं शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव का अध्ययन आवश्यक हो जाता है। इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। शोध हेतु राजस्थान राज्य के भरतपुर संभाग के भरतपुरए धौलपुरए करौली एवं सवाई माधोपुर जिलों से कुल 480 किशोर विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गयाए जिनमें 240 सामान्य तथा 240 दिव्यांग विद्यार्थी सम्मिलित हैं। डेटा संकलन हेतु आक्रामकता मापनी ,आरण्एलण् भारद्वाजद्धए सोशल मीडिया मापनी ,डॉण् सुभाष सरकार एवं प्रसेनजीत दासद्ध तथा शैक्षिक उपलब्धि के लिए वार्षिक परीक्षा के प्राप्तांकों का उपयोग किया गया। अध्ययन के परिणामों से ज्ञात हुआ कि दिव्यांग विद्यार्थियों में सोशल मीडिया का आक्रामकता एवं शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गयाए जबकि सामान्य विद्यार्थियों में सोशल मीडिया एवं आक्रामकता के मध्य सार्थक सकारात्मक संबंध तथा सोशल मीडिया एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक नकारात्मक संबंध पाया गया। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सोशल मीडिया का प्रभाव

*Corresponding Author:
Email address: Dr. Manju Sharma (drmanju230@gmail.com), Lokesh Kumar Sharma (sharma.lokesh9461@gmail.com)

Received: 27 December 2025; **Accepted:** 23 January 2026; **Published** 28 February 2026
DOI: 10.29121/granthaalayah.v14.i2.2026.6923
Page Number: 144-148
Journal Title: International Journal of Research -GRANTHAALAYAH
Journal Abbreviation: Int. J. Res. Granthaalayah
Online ISSN: 2350-0530, **Print ISSN:** 2394-3629
Publisher: Granthaalayah Publications and Printers, India
Conflict of Interests: The authors declare that they have no competing interests.
Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.
Authors' Contributions: Each author made an equal contribution to the conception and design of the study. All authors have reviewed and approved the final version of the manuscript for publication.
Transparency: The authors affirm that this manuscript presents an honest, accurate, and transparent account of the study. All essential aspects have been included, and any deviations from the original study plan have been clearly explained. The writing process strictly adhered to established ethical standards.
Copyright: © 2026 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

सामान्य एवं दिव्यांग विद्यार्थियों पर भिन्न.भिन्न रूपों में प्रकट होता है। यह अध्ययन शिक्षकोंए अभिभावकों एवं नीति.निर्माताओं के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता हैए जिससे वे सोशल मीडिया के संतुलित एवं सकारात्मक उपयोग को प्रोत्साहित कर सकें।

Keywords: Social Media, Aggression, Academic Achievement, Students with Disabilities, Normal Students, Adolescence, सोशल मीडिया, आक्रामकता, शैक्षिक उपलब्धि, दिव्यांग विद्यार्थी, सामान्य विद्यार्थी, किशोरावस्था

प्रस्तावना

वर्तमान युग को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का युग कहा जाता है, जिसमें सोशल मीडिया एक अत्यंत प्रभावशाली माध्यम के रूप में उभरकर सामने आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम तथा यूट्यूब ने संचार, जानकारी के आदान-प्रदान तथा सामाजिक सहभागिता के स्वरूप को व्यापक रूप से परिवर्तित कर दिया है। विशेष रूप से किशोरावस्था के विद्यार्थी इन माध्यमों के प्रति अधिक आकर्षित होते हैं, क्योंकि यह अवस्था जिज्ञासा, पहचान निर्माण एवं सामाजिक स्वीकृति की तीव्र आवश्यकता से परिपूर्ण होती है।

किशोर विद्यार्थियों के व्यवहार, भावनात्मक स्थिति एवं शैक्षणिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया का प्रभाव सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों रूपों में देखा जाता है। एक ओर यह ज्ञानार्जन, सहयोगात्मक अधिगम एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर अत्यधिक उपयोग, समय का दुरुपयोग तथा आभासी प्रतिस्पर्धा की भावना विद्यार्थियों में तनाव, आक्रामकता एवं शैक्षणिक गिरावट का कारण भी बन सकती है।

विशेष रूप से दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों के संदर्भ में यह प्रभाव भिन्न-भिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम बन सकता है, जो उन्हें सामाजिक जुड़ाव, आत्म-अभिव्यक्ति एवं सीखने के नए अवसर प्रदान करता है। वहीं, यदि इसका उपयोग नियंत्रित एवं संतुलित न हो, तो यह उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवहारिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

आक्रामकता एवं शैक्षिक उपलब्धि ऐसे महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षिक आयाम हैं, जो विद्यार्थियों के समग्र विकास को प्रभावित करते हैं। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के संदर्भ में इन दोनों आयामों का तुलनात्मक अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो जाता है, जिससे यह समझा जा सके कि विभिन्न प्रकार के विद्यार्थी इस प्रभाव से किस प्रकार प्रभावित होते हैं। अतः प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की आक्रामकता एवं शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया के प्रभाव का तुलनात्मक विश्लेषण करना है, ताकि इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलुओं को स्पष्ट किया जा सके और शैक्षणिक नीतियों एवं व्यवहार में आवश्यक सुधार किए जा सकें।

अध्ययन का औचित्य

वर्तमान समय में सोशल मीडिया का उपयोग किशोर विद्यार्थियों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। इसके बढ़ते प्रभाव के कारण विद्यार्थियों के व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि इसके प्रभाव का वैज्ञानिक एवं तुलनात्मक अध्ययन किया जाए। दिव्यांग एवं सामान्य विद्यार्थियों के मध्य व्यक्तिगत, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक परिस्थितियों में भिन्नता होती है, जिसके कारण सोशल मीडिया का प्रभाव भी दोनों समूहों पर अलग-अलग हो सकता है। इस संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन यह स्पष्ट करने में सहायक होगा कि किस प्रकार सोशल मीडिया इन दोनों वर्गों की आक्रामकता एवं शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है। यह अध्ययन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शिक्षकों, अभिभावकों एवं नीति-निर्माताओं को यह समझने में सहायता प्रदान करेगा कि सोशल मीडिया का संतुलित एवं सकारात्मक उपयोग कैसे सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों के समग्र विकास को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, यह अध्ययन दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए समावेशी शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में भी सहायक सिद्ध हो सकता है, जिससे उन्हें समान अवसर प्रदान किए जा सकें और उनकी विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक रणनीतियाँ विकसित की जा सकें। अतः प्रस्तुत अध्ययन न केवल शैक्षणिक दृष्टि से, बल्कि सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक है।

शोध के उद्देश्य

1) दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की आक्रामकता पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन करना।
2) दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पनाएँ

1) दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की आक्रामकता पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
2) दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध कार्य में राजस्थान राज्य के भरतपुर संभाग के भरतपुर, धौलपुर, करौली एवं सवाई माधोपुर जिले से कुल किशोर विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है, जिनमें 240 सामान्य किशोर एवं 240 दिव्यांग किशोर हैं।

उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य में शोधकर्ता द्वारा प्रदत्त संकलन हेतु निम्नलिखित उपकरणों को प्रयोग में लिया जायेगा -

- आक्रामकता मापनी - आर.एल. भारद्वाज द्वारा निर्मित एवं नेशनल साइकोलोजीकल कॉरपोरेशन द्वारा प्रकाशित (हिंदी संस्करण)।
- शैक्षिक उपलब्धि - विद्यार्थियों की कक्षानुसार वार्षिक परीक्षा के प्राप्तांक।
- सोशल मीडिया - डॉ. सुभाष सरकार और प्रसेनजीत दास द्वारा निर्मित

सांख्यिकी विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है।

व्याख्या एवं विश्लेषण

परिकल्पना 1 - दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की आक्रामकता पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

तालिका संख्या: 1

तालिका संख्या 1 दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की आक्रामकता पर सोशल मीडिया का प्रभाव

समूह	संख्या	सोशल मीडिया का मध्यमान	आक्रामकता का मध्यमान	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता	संबंध
दिव्यांग	240	118.65	42.48	0.06	असार्थक	सकारात्मक नगण्य
सामान्य	240	177.29	56.31	$0.31	सार्थक	सकारात्मक

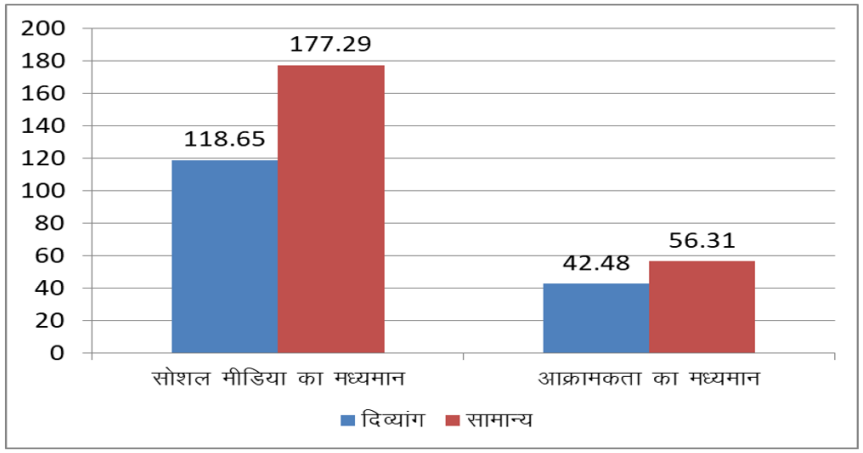

तालिका के अनुसार, दिव्यांग बच्चों का सोशल मीडिया का मध्यमान 118.65 और आक्रामकता का मध्यमान 42.48 है। इनके बीच सहसंबंध गुणांक 0.06 है, जो सकारात्मक नगण्य है और सार्थक नहीं माना गया। इसका अर्थ है कि दिव्यांग बच्चों में सोशल मीडिया और आक्रामकता के बीच कोई स्पष्ट और सार्थक संबंध नहीं पाया गया।

सामान्य बच्चों के मामले में सोशल मीडिया का मध्यमान 177.29 और आक्रामकता का मध्यमान 56.31 पाया गया। इनके बीच सहसंबंध गुणांक $0.31 है, जो सार्थक सकारात्मक संबंध को दर्शाता है। इसका अर्थ है कि सामान्य बच्चों में सोशल मीडिया के अधिक उपयोग से उनकी आक्रामकता में वृद्धि देखने को मिलती है।

परिकल्पना 2- दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

तालिका संख्या: 2

तालिका संख्या 2 दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया का प्रभाव

समूह	संख्या	सोशल मीडिया का मध्यमान	शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता	संबंध
दिव्यांग	240	118.65	65.18	0.07	असार्थक	सकारात्मक नगण्य

सामान्य	240	177.29	75.24	-0.23	सार्थक	नकारात्मक

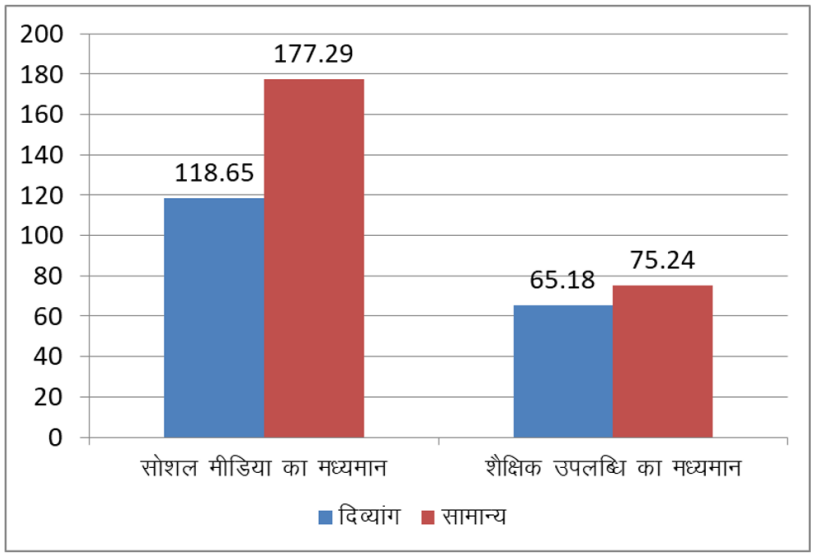

तालिका के अनुसार, दिव्यांग बच्चों का सोशल मीडिया का मध्यमान 118.65 और शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 65.18 है। इनके बीच सहसंबंध गुणांक 0.07 पाया गया, जो सकारात्मक नगण्य है और सार्थक नहीं माना गया। इसका अर्थ यह है कि दिव्यांग बच्चों में सोशल मीडिया और शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई स्पष्ट और सार्थक संबंध नहीं है।

सामान्य बच्चों के मामले में सोशल मीडिया का मध्यमान 177.29 और शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 75.24 है। इनके बीच सहसंबंध गुणांक -0.23 है, जो सार्थक नकारात्मक संबंध को दर्शाता है। इसका अर्थ है कि सामान्य बच्चों में सोशल मीडिया के अधिक उपयोग से उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

निष्कर्ष

प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि दिव्यांग एवं सामान्य किशोर विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया का प्रभाव भिन्न-भिन्न रूपों में परिलक्षित होता है। दिव्यांग विद्यार्थियों के संदर्भ में सोशल मीडिया एवं आक्रामकता तथा सोशल मीडिया एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध गुणांक क्रमशः 0.06 एवं 0.07 पाया गया, जो सकारात्मक होते हुए भी नगण्य एवं असार्थक है। इससे यह संकेत मिलता है कि दिव्यांग विद्यार्थियों में सोशल मीडिया का उपयोग उनके आक्रामक व्यवहार एवं शैक्षणिक उपलब्धि को किसी महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं करता है। इसके विपरीत, सामान्य विद्यार्थियों के संदर्भ में सोशल मीडिया एवं आक्रामकता के मध्य सहसंबंध गुणांक 0.31 पाया गया, जो सार्थक सकारात्मक संबंध को दर्शाता है। यह इंगित करता है कि सोशल मीडिया के अधिक उपयोग से सामान्य विद्यार्थियों में आक्रामकता का स्तर बढ़ता है। साथ ही, सोशल मीडिया एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणांक -0.23 पाया गया, जो सार्थक नकारात्मक संबंध को दर्शाता है। इससे स्पष्ट होता है कि सामान्य विद्यार्थियों में सोशल मीडिया का अधिक उपयोग उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि जहाँ दिव्यांग विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया का प्रभाव सीमित एवं असार्थक है, वहीं सामान्य विद्यार्थियों में यह उनके व्यवहार एवं शैक्षणिक प्रदर्शन दोनों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। यह अंतर संभवतः दोनों समूहों की सामाजिक सहभागिता, उपयोग के उद्देश्यों तथा मनोवैज्ञानिक संरचना में भिन्नता के कारण उत्पन्न होता है।

सुझाव

- विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के संतुलित एवं नियंत्रित उपयोग के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, ताकि इसका नकारात्मक प्रभाव उनके व्यवहार एवं अध्ययन पर न पड़े।
- अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर उचित निगरानी रखें एवं उन्हें सकारात्मक सामग्री की ओर मार्गदर्शित करें।
- शिक्षकों द्वारा सोशल मीडिया को शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे यह अधिगम का प्रभावी माध्यम बन सके।
- विद्यालयों में विशेष रूप से सामान्य विद्यार्थियों के लिए आक्रामकता नियंत्रण एवं भावनात्मक संतुलन से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।
- दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए ऐसे डिजिटल एवं शैक्षणिक संसाधनों का विकास किया जाना चाहिए, जो उनके सीखने एवं सामाजिक जुड़ाव को सशक्त बनाएं।

- सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशालाएँ एवं सेमिनार आयोजित किए जाने चाहिए।
- विद्यार्थियों को समय प्रबंधन के कौशल सिखाए जाने चाहिए, ताकि वे अध्ययन एवं सोशल मीडिया उपयोग के बीच संतुलन बनाए रख सकें।

REFERENCES

Ahmed, M. (2025). An analytical study of the dimensions of social media addiction among university students (विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में सोशल मीडिया लत के आयामों का विश्लेषणात्मक अध्ययन). Journal of Psychological Counseling, 82(3), 557–588.

Azizi, S. M., Soroush, A., & Khatoni, A. (2019). The relationship between social networking addiction and academic achievement (सोशल नेटवर्किंग लत एवं शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य संबंध). BMC Psychology.

Farid, S., Jabeen, S., Aurangzeb, S., & Aslam, R. (2024). A study of social media use and aggression among young adults (युवा वयस्कों में सोशल मीडिया उपयोग एवं आक्रामकता का अध्ययन). Pakistan Journal of Humanities and Social Sciences, 12(3), 2397–2402.

Guler, H., Oztay, O. H., & Ozkochak, V. (2022). Evaluating the relationship between social media addiction and aggression (सोशल मीडिया लत एवं आक्रामकता के मध्य संबंध का मूल्यांकन). Journal of Social Behavior Studies.

Gulzar, M. A. (2022). Social media use and student engagement: A study in the context of higher education (सोशल मीडिया उपयोग एवं विद्यार्थियों की सहभागिता: उच्च शिक्षा के संदर्भ में अध्ययन). Behavior and Information Technology.

Khalifa, M. (2021). A study of social media addiction and academic procrastination among students (विद्यार्थियों में सोशल मीडिया लत एवं शैक्षणिक टालमटोल का अध्ययन). Educational Psychology Review.

Lin, S. (2024). The relationship between social media addiction and aggressive behavior among adolescents (किशोरों में सोशल मीडिया लत एवं आक्रामक व्यवहार के मध्य संबंध). Journal of Adolescent Studies.

Tolan, O. C. (2023). A qualitative study on excessive social media use among university students (विश्वविद्यालय विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग पर एक गुणात्मक अध्ययन). Educational Policy Analysis and Strategic Research, 18(3).

Turki, A., & Nawal, A. (2026). The relationship between social media addiction and aggressive behavior among senior secondary students in Riyadh (रियाद के उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों में सोशल मीडिया लत एवं आक्रामक व्यवहार का संबंध). Research Journal in Advanced Humanities, 7(1).